DIGITAL RESOURCE CENTRE (DRC)
CENTRAL LIBRARY

PRESS CLIPPINGS

1-30 June

2025

CONTENT

S No	Title	Author	Newspaper	Page No.	Date of Publication
1.	मुरादाबाद ने अमरोहा को दी शिकस्त, आईएफटीएम मैदान पर खेले गए इस मैच में मुरादाबाद की टीम ने 22 रन से जीत हासिल की।		अमरउजाला	4	01/06/2025
2.	डीएसए मुरादाबाद ने 22 रन से जीता क्रिकेट मैच, आईएफटीएम में अडर-16 इंटर डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट लीग का आयोजन किया जा रहा है।		हिंदुस्तान	5	01/06/2025
3.	आईएफटीएम के छात्र फैजान अली को शनिवार को बधाई देते कुलसचिव । छात्र को जर्मनी में मिली इंटर्नशिप		हिंदुस्तान	6	08/06/2025
4.	आईएफटीएम विश्वविद्यालय के छात्र को जर्मनी में मिली इंटर्नशिप		विधान केसरी	7	08/06/2025
5.	फैजान को जर्मनी में इंटर्नशिप का मिला ऑफर		अमरउजाला	8	08/06/2025
6.	आईएफटीएम विश्वविद्यालय के छात्र को जर्मनी में मिली इंटर्नशिप		शाह टाइम्स ब्यूरो	9	08/06/2025
7.	आईएफटीएम विवि में रविवार को बालिका छात्रवृत्ति योजना परीक्षा में शामिल छात्राएं। छात्रवृत्ति योजना में बढ़-चढ़कर की भागीदारी		हिंदुस्तान	10	09/06/2025
8.	आइएफटीएम में छात्रवृत्ति योजना परीक्षा के दौरान मौजूद परीक्षार्थी सौ. विवि आइएफटीएम में बालिकाओं ने दी छात्रवृत्ति योजना परीक्षा		दैनिक जागरण	11	09/06/2025
9.	आईएफटीएम में हुआ नव्या बालिका छात्रवृत्ति योजना परीक्षा का आयोजन		विधान केसरी	12	09/06/2025
10.	नव्या बालिका छात्रवृत्ति योजना परीक्षा में 18 छात्राएं हुईं शामिल		अमरउजाला	13	09/06/2025

11.	आईएफटीएम विश्वविद्यालय में हुआ 'नव्या बालिका छात्रवृत्ति योजना' परीक्षा का आयोजन		शाह टाइम्स ब्यूरो	14	09/06/2025
12.	आईएफटीएम विश्वविद्यालय में हुआ "नव्या बालिका छात्रवृत्ति योजना" परीक्षा का आयोजन		आज समाचार सेवा	15	09/06/2025
13.	आईएफटीएम विश्वविद्यालय में योग सत्र का आयोजन किया गया।		हिंदुस्तान	16	22/06/2025
14.	आईएफटीएम में ' योग दिवस' के अवसर पर हुआ "योग सत्र" का आयोजन		आज समाचार सेवा	17	22/06/2025
15.	आईएफटीएम में ' योग दिवस' के अवसर पर हुआ "योग सत्र" का आयोजन		शाह टाइम्स ब्यूरो	18	22/06/2025
16.	आईएफटीएम विश्वविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर हुआ भव्य योग सत्र का आयोजन एनएसएस और एनसीसी इकाइयों के संयुक्त तत्वावधान में 550 से अधिक प्रतिभागियों ने लिया उत्साहपूर्वक भाग		विधान केसरी	19	22/06/2025
17.	आईएफटीएम विश्वविद्यालय में 11वें अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर हुआ योग सत्र का आयोजन		युगबंधु समाचार	20	22/06/2025
18.	महिला कैडेटों को सिखाया जाएगा अनुशासन व नेतृत्व		अमरउजाला	21	27/06/2025
19.	छात्र-छात्राओं को स्टार्टअप के बारे में दी जानकारी		अमरउजाला	22	30/06/2025

अमर उजाला
amarujala.com
मुरादाबाद | रविवार, 1 जून 2025
7

मुरादाबाद ने अमरोहा को दी शिकस्त

मुरादाबाद। यूपीसीए की ओर से आयोजित अंडर-16 इंटर डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट लीग में शनिवार को मुरादाबाद और अमरोहा के बीच मैच खेला गया। आईएफटीएम मैदान पर खेले गए इस मैच में मुरादाबाद की टीम ने 22 रन से जीत हासिल की। यूपीसीए के चयनकर्ता संजीव जखमौला की देखरेख में मैच खेला गया। टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने उतरी मुरादाबाद की टीम ने निर्धारित 45 ओवर में सभी विकेट खोकर 202 रन बनाए। जवाब में अमरोहा की टीम 180 रन पर ही ढेर हो गई। ब्यूरो

हिन्दुस्तान
मुरादाबाद, रविवार, 1 जून 2025
04

शनिवार को अंडर 16 क्रिकेट टूर्नामेंट की जानकारी देते सचिव विजय गुप्ता।

डीएसए मुरादाबाद ने 22 रन से जीता क्रिकेट मैच

मुरादाबाद। आईएफटीएम में अंडर-16 इंटर डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट लीग का आयोजन किया जा रहा है। पूर्व रणजी खिलाड़ी व डीएसए सचिव विजय गुप्ता ने बताया कि शनिवार को डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट लीग में डीएसए मुरादाबाद और डिस्ट्रिक्ट अमरोहा के बीच मैच खेला गया। जिसमें डीएसए मुरादाबाद ने 22 रनों से जीत दर्ज की। यूपीसीए के सेलेक्टर पूर्व रणजी खिलाड़ी संजीव जखमौला ने खिलाड़ियों की बारीकियां देखी।

हिन्दुस्तान

मुरादाबाद
रविवार
8 जून 2025

04

आईएफटीएम के छात्र फैजान अली को शनिवार को बधाई देते कुलसचिव।

छात्र को जर्मनी में मिली इंटर्नशिप

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेज एंड इंजीनियरिंग के बीएससी एग्रीकल्चर छठे समेस्टर के छात्र फैजान अली को जर्मनी की एसएच क्वालिटी जीएमबीएच एंड को केजी कंपनी की ओर से तीन महीने की अवधि की इंटर्नशिप का ऑफर मिला है। फैजान की इस उपलब्धि पर कुलपति प्रो. महेंद्र प्रसाद पांडेय ने हर्ष व्यक्त किया। इस मौके पर कुलसचिव डॉ. संजीव अग्रवाल, प्रतिकुलपति एक्सटर्नल अफेयर्स डॉ. राहुल कुमार मिश्रा रहे।

आईएफटीईएम विश्वविद्यालय के छात्र को जर्मनी में मिली इंटर्नशिप

एग्रीकल्चर विभाग के फैजान अली को मिला तीन महीने का ऑफर, परिवार में खुशी का माहौल

मुरादाबाद (विधान केसरी)। आईएफटीएम विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेज एंड इंजीनियरिंग के बी.एससी, एग्रीकल्चर, छठे सेमेस्टर के छात्र फैजान अली को जर्मनी की एसएच क्वालिटी जीएमबीएच एंड को केजी कंपनी की ओर से 3 महीने की अवधि की इंटर्नशिप का ऑफर मिला है। इंटर्नशिप के दौरान फैजान अली को प्रतिमाह ढाई से तीन लाख रूपए वेतन मिलेगा तथा यह इंटर्नशिप जर्मनी के फ्रेंकफर्ट में संपन्न होगी। छात्र फैजान की इस उपलब्धि पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. महेन्द्र प्रसाद पाण्डेय ने हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि यह हम सभी के लिए बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने फैजान की इस उपलब्धि के लिए स्कूल के सभी शिक्षकों और फैजान के अभिभावकों को बधाई देते हुए कहा कि आईएफटीएम विश्वविद्यालय के विद्यार्थी अपनी प्रतिभा के दम पर पूरे विश्व में विश्वविद्यालय का नाम रोशन कर रहे हैं। कुलसचिव डॉ. संजीव अग्रवाल ने फैजान को बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि अपनी प्रतिभा को प्रदर्शित करने का यह एक अच्छा मौका है।

फ्रैंकफर्ट में ढाई से तीन लाख रुपये प्रतिमाह वेतन

डॉ. अग्रवाल ने छात्र फैजान को अनुशासन का कड़ाई से पालन करने व अपने कार्य क्षेत्र में नई चीजें लगातार सीखते रहने की सलाह भी दी। इस मौके पर प्रतिकुलपति- एक्सटर्नल अफेयर्स डॉ. राहुल कुमार मिश्रा, प्रतिकुलपति- एकेडमिक्स एंड एडमिनिस्ट्रेशन डॉ. वैभव त्रिवेदी, प्रतिकुलपति- रिसर्च एंड डेवलपमेंट डॉ. नवनीत वर्मा, स्कूल ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेज एंड इंजीनियरिंग के निदेशक डॉ. वीरेंद्र सिंह, ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के निदेशक श्री के.के. बंसल समेत विश्वविद्यालय के समस्त स्कूलों के निदेशकों और शिक्षकों ने फैजान की उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त की है। स्कूल के निदेशक डॉ. सिंह ने कहा कि इस उपलब्धि से अन्य विद्यार्थी भी प्रेरणा लेंगे। फैजान ने अपनी इस उपलब्धि के लिए स्कूल के डॉ. ए.एन चैबे समेत सभी शिक्षकों एवं ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के सीनियर ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट ऑफिसर श्री आशीष अग्रवाल व समन्वयक डॉ. कमलेश कुमार यादव और अपने अभिभावकों के प्रति विशेष आभार व्यक्त किया।

अमर उजाला

amarujala.com

मुरादाबाद | रविवार, 8 जून 2025

8

फैजान को जर्मनी में इंटर्नशिप का मिला ऑफर

छात्र फैजान अली को इंटर्नशिप का ऑफर देते अतिथि। स्रोत : विवि

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ एग्रीकल्चर साइंसेज एंड इंजीनियरिंग के बीएससी, एग्रीकल्चर, छठे सेमेस्टर के छात्र फैजान अली को जर्मनी की एसएच क्वालिटी जीएमबीएच एंड को केजी की ओर से तीन महीने की इंटर्नशिप का ऑफर दिया गया। इंटर्नशिप के दौरान फैजान को प्रतिमाह ढाई से तीन लाख रुपये का वेतन मिलेगा। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो महेंद्र प्रसाद पांडेय ने हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि यह हम सभी के लिए बड़ी उपलब्धि है। फैजान की इस

आईएफटीएम विश्वविद्यालय के छात्र को जर्मनी में मिली इंटर्नशिप

शाह टाइम्स ब्यूरो

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेज एंड इंजीनियरिंग के बी.एससी, एग्रीकल्चर, छठे सेमेस्टर के छात्र फैजान अली को जर्मनी की एसएच क्वालिटी जीएमबीएच एंड को केजी कंपनी की ओर से 3 महीने की अवधि की इंटर्नशिप का ऑफर मिला है। इंटर्नशिप के दौरान फैजान अली को प्रतिमाह ढाई से तीन लाख रूपए वेतन मिलेगा तथा यह इंटर्नशिप जर्मनी के फ्रैंकफर्ट में संपन्न होगी। छात्र फैजान की इस उपलब्धि पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. महेन्द्र प्रसाद पाण्डेय ने हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि यह हम सभी के लिए बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने फैजान की इस उपलब्धि के लिए स्कूल के सभी शिक्षकों और फैजान के अभिभावकों को बधाई देते हुए कहा कि आईएफटीएम विश्वविद्यालय के विद्यार्थी अपनी प्रतिभा के दम पर पूरे विश्व में विश्वविद्यालय का नाम रोशन कर रहे हैं। कुलसचिव डॉ. संजीव अग्रवाल ने फैजान को बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि अपनी प्रतिभा को प्रदर्शित करने का यह एक अच्छा मौका है। डॉ. अग्रवाल ने छात्र फैजान को अनुशासन का कड़ाई से पालन करने व अपने कार्य क्षेत्र में नई चीजें लगातार सीखते रहने की सलाह भी दी। इस मौके पर प्रतिकुलपति- एक्सटर्नल अफेयर्स डॉ. राहुल कुमार मिश्रा, प्रतिकुल. पति- एकेडमिक्स एंड एडमिनिस्ट्रेशन डॉ. वैभव त्रिवेदी, प्रतिकुलपति- रिसर्च एंड डेवलपमेंट डॉ. नवनीत वर्मा, स्कूल ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेज एंड इंजीनियरिंग के निदेशक डॉ. वीरेंद्र सिंह, ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के निदेशक श्री के.के. बंसल समेत विश्वविद्यालय के समस्त स्कूलों के निदेशकों और शिक्षकों ने फैजान की उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त की है। स्कूल के निदेशक डॉ. सिंह ने कहा कि इस उपलब्धि से अन्य विद्यार्थी भी प्रेरणा लेंगे। फैजान ने अपनी इस उपलब्धि के लिए स्कूल के डॉ. ए.एन चौबे समेत सभी शिक्षकों एवं ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के सीनियर ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट ऑफिसर श्री आशीष अग्रवाल व समन्वयक डॉ. कमलेश कुमार यादव और अपने अभिभावकों के प्रति विशेष आभार व्यक्त किया।

हिन्दुस्तान

मुरादाबाद
सोमवार
9 जून 2025

02

आईएफटीएम विवि में रविवार को बालिका छात्रवृत्ति योजना परीक्षा में शामिल छात्राएं।

छात्रवृत्ति योजना में बढ़-चढ़कर की भागीदारी

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में उन्नत भारत अभियान के अंतर्गत 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' मुहिम के तहत 'नव्या बालिका छात्रवृत्ति योजना' की परीक्षा आयोजित की गई। यहां रश्मि कोठीवाल, स्कूल ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेज एंड इंजीनियरिंग के निदेशक डॉ. वीरेंद्र सिंह के निर्देशन में किया गया। इस दौरान कुलसचिव डॉ. संजीव अग्रवाल, डॉ. वैभव त्रिवेदी, डॉ. रमेश पाल, डॉ. सुलेखा रहे।

IV दैनिक जागरण मुरादाबाद, 9 जून, 2025

आइएफटीएम में छात्रवृत्ति योजना परीक्षा के दौरान मौजूद परीक्षार्थी • सौ .विवि

आइएफटीएम में बालिकाओं ने दी छात्रवृत्ति योजना परीक्षा

जासं, मुरादाबाद : आइएफटीएम विवि की ओर से नव्या बालिका छात्रवृत्ति योजना परीक्षा आयोजित की गई। बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ मुहिम के तहत आयोजित इस परीक्षा में 18 छात्राएं सम्मिलित हुईं। विश्वविद्यालय की कार्यकारिणी सदस्य रश्मि कोठीवाल बालिकाओं के उत्थान के लिए यह छात्रवृत्ति परीक्षा आयोजित की जाती है। स्कूल आफ एग्रीकल्चरल साइंसेज एंड इंजीनियरिंग के निदेशक डा. वीरेंद्र सिंह के निर्देशन में यह परीक्षा हुई।

विधान केसरी

आईएफटीएम में हुआ नव्या बालिका छात्रवृत्ति योजना परीक्षा का आयोजन

मुरादाबाद (विधान केसरी)। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में उन्नत भारत अभियान के अंतर्गत बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ मुहिम के तहत विश्वविद्यालय द्वारा पूर्व में गोद लिए गए गांवों की बालिकाओं को उच्च शिक्षा ग्रहण करने हेतु प्रेरित करने की दृष्टि से गतवर्षों की भांति नव्या बालिका छात्रवृत्ति योजना की परीक्षा आयोजित की गयी। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की कार्यकारिणी की सम्मानित सदस्या श्रीमती रश्मि कोठीवाल ने छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि बालिकाओं के उत्थान के लिए हम सभी दृढ़ संकल्पित हैं। परीक्षा का अवलोकन करते हुए श्रीमती रश्मि कोठीवाल ने प्रतिभागी बालिकाओं से उनकी कुशलक्षेम पूछी और उन्हें प्रोत्साहित करने के साथ ही उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना भी की। उन्होंने आशा व्यक्त की कि विश्वविद्यालय की इस योजना के माध्यम से ग्रामीण बालिकाएं निःशुल्क उच्च शिक्षा प्राप्त कर अपना व अपने परिवार का भविष्य उज्ज्वल कर सकेंगी।

श्रीमती रश्मि कोठीवाल ने कहा कि शिक्षित महिला अपने परिवार को शिक्षित बना सकती है। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय अन्य विभिन्न योजनाओं के माध्यम से भी गोद लिए गए गांवों का चहुंमुखी विकास करने हेतु सदैव तत्पर है। उन्होंने यह भी कहा कि यह नव्या बालिका छात्रवृत्ति योजना आने वाले समय में मील का पत्थर साबित होगी। इस परीक्षा का आयोजन स्कूल ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेज एंड इंजीनियरिंग के निदेशक डॉ. वीरेंद्र सिंह के निर्देशन में किया गया। उन्होंने बताया कि बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अभियान के तहत ग्रामीण मेधावी बालिकाओं को निःशुल्क उच्च शिक्षा उपलब्ध कराने की दृष्टि से विश्वविद्यालय द्वारा विगत कई वर्षों से नव्या बालिका छात्रवृत्ति योजना की परीक्षा का आयोजन किया जा रहा है। विश्वविद्यालय की इस योजना के माध्यम से प्रतिवर्ष आर्थिक रूप से कमजोर व इस परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर 5 ग्रामीण बालिकाओं को विश्वविद्यालय के विभिन्न पाठ्यक्रमों में निःशुल्क शिक्षा ग्रहण करने का अवसर दिया जाता है। प्रो. सिंह ने जानकारी दी कि आज की इस परीक्षा में विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गांवों गिंदौड़ा, धनुपुरा, पल्लूपुरा घोसी, नगला बनबीर और इटायला माफी की कुल 18 छात्राएं सम्मिलित हुईं। परीक्षा के दौरान विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. संजीव अग्रवाल, प्रतिकुलपति- एकेडमिक्स एंड एडमिनिस्ट्रेशन डॉ. वैभव त्रिवेदी ने सभी प्रतिभागी बालिकाओं का उत्साहवर्धन किया।

परीक्षा के सफल संचालन में स्कूल ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेज एंड इंजीनियरिंग के डॉ. रमेश पाल, डॉ. सुलेखा एवं डॉ. शुभम गुप्ता का विशेष सहयोग रहा।

अमर उजाला

amarujala.com

मुरादाबाद | सोमवार, 9 जून 2025

5

नव्या बालिका छात्रवृत्ति योजना परीक्षा में 18 छात्राएं हुईं शामिल

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में रविवार को नव्या बालिका छात्रवृत्ति योजना परीक्षा का आयोजन किया गया। परीक्षा में विश्वविद्यालय की ओर से गोद लिए गए गांवों गिंदौड़ा, धनुपुरा, पल्लूपुरा घोसी, नगला बनबीर व इटायला माफी की कुल 18 छात्राएं सम्मिलित हुईं।

परीक्षा के दौरान विवि के कुल सचिव डॉ. संजीव अग्रवाल, प्रतिकुलपति एकेडमिक्स एंड एडमिनिस्ट्रेशन डॉ. वैभव त्रिवेदी ने सभी प्रतिभागी बालिकाओं का उत्साहवर्धन किया। विवि की कार्यकारिणी की सदस्य रश्मि कोठीवाल ने कहा कि बालिकाओं के उत्थान के लिए हम सभी दृढ़ संकल्पित हैं।

कहा कि इस योजना के माध्यम से बालिकाएं निशुल्क उच्च शिक्षा पाकर अपना व अपने परिवार का भविष्य उज्ज्वल कर सकेंगी। परीक्षा के सफल संचालन में स्कूल ऑफ एग्रीकल्चर साइंसेज एंड इंजीनियरिंग के डॉ. रमेश पाल, डॉ. सुलेखा, डॉ. शुभम गुप्ता का विशेष योगदान रहा है। ब्यूरो

आईएफटीएम विश्वविद्यालय में हुआ 'नव्या बालिका छात्रवृत्ति योजना' परीक्षा का आयोजन

शाह टाइम्स ब्यूरो

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में उन्नत भारत अभियान के अंतर्गत 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' मुहिम के तहत विश्व. विद्यालय द्वारा पूर्व में गोद लिए गए गांवों की बालिकाओं को उच्च शिक्षा ग्रहण करने हेतु प्रेरित करने की दृष्टि से गतवर्षों की भांति ''नव्या बालिका छात्रवृत्ति योजना'' की परीक्षा आयोजित की गयी। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की कार्यकारिणी की सम्मानित सदस्या श्रीमती रश्मि कोठीवाल ने छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि बालिकाओं के उत्थान के लिए हम सभी दृढ़ संकल्पित हैं। परीक्षा का अवलोकन करते हुए श्रीमती रश्मि कोठीवाल ने प्रतिभागी बालिकाओं से उनकी कुशलक्षेम पूछी और उन्हें प्रोत्साहित करने के साथ ही उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना भी की।

उन्होंने आशा व्यक्त की कि विश्वविद्यालय की इस योजना के माध्यम से ग्रामीण बालिकाएं निःशुल्क उच्च शिक्षा प्राप्त कर अपना व अपने परिवार का भविष्य उज्ज्वल कर सकेंगी। श्रीमती रश्मि कोठीवाल ने कहा कि शिक्षित महिला अपने परिवार को शिक्षित बना सकती है। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय अन्य विभिन्न योजनाओं के माध्यम से भी गोद लिए गए गांवों का चहुंमुखी विकास करने हेतु सदैव तत्पर है। उन्होंने यह भी कहा कि यह 'नव्या बालिका छात्रवृत्ति योजना' आने वाले समय में मील का पत्थर साबित होगी। इस परीक्षा का आयोजन स्कूल ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेज एंड इंजीनियरिंग के निदेशक डॉ. वीरेंद्र सिंह के निर्देशन में किया गया। उन्होंने बताया कि 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' अभियान के तहत ग्रामीण मेधावी बालिकाओं को निःशुल्क उच्च शिक्षा उपलब्ध कराने की दृष्टि से विश्वविद्यालय द्वारा विगत कई वर्षों से 'नव्या बालि. का छात्रवृत्ति योजना' की परीक्षा का आयोजन किया जा रहा है। विश्व. विद्यालय की इस योजना के माध्यम

से प्रतिवर्ष आर्थिक रूप से कमजोर व इस परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर 5 ग्रामीण बालिकाओं को विश्वविद्यालय के विभिन्न पाठ्यक्रमों में निःशुल्क शिक्षा ग्रहण करने का अवसर दिया जाता है। प्रो. सिंह ने जानकारी दी कि आज की इस परीक्षा में विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गांवों गिंदौड़ा, धनुपुरा, पल्लूपुरा घोसी, नगला बनबीर और इटायला माफी की कुल 18 छात्राएं सम्मिलित हुईं। परीक्षा के दौरान विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. संजीव अग्रवाल, प्रतिकुलपति-एकेडमिक्स एंड एडमिनिस्ट्रेशन डॉ. वैभव त्रिवेदी ने सभी प्रतिभागी बालिकाओं का उत्साहवर्धन किया। परीक्षा के सफल संचालन में स्कूल ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेज एंड इंजीनियरिंग के डॉ. रमेश पाल, डॉ. सुलेखा एवं डॉ. शुभम गुप्ता का विशेष सहयोग रहा।

आईएफटीएम विश्वविद्यालय में हुआ ''नव्या बालिका छात्रवृत्ति योजना'' परीक्षा का आयोजन

–आज समाचार सेवा–

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में उन्नत भारत अभियान के अंतर्गत 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' मुहिम के तहत विश्वविद्यालय द्वारा पूर्व में गोद लिए गए गांवों की बालिकाओं को उच्च शिक्षा ग्रहण करने हेतु प्रेरित करने की दृष्टि से गतवर्षों की भांति ''नव्या बालिका छात्रवृत्ति योजना'' की परीक्षा आयोजित की गयी। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की कार्यकारिणी की सम्मानित सदस्या श्रीमती रश्मि कोठीवाल ने छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि बालिकाओं के उत्थान के लिए हम सभी दृढ़ संकल्पित हैं। परीक्षा का अवलोकन करते हुए श्रीमती रश्मि कोठीवाल ने प्रतिभागी बालिकाओं से उनकी कुशलक्षेम पूछी और उन्हें प्रोत्साहित करने के साथ ही उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना भी की। उन्होंने आशा व्यक्त की कि विश्वविद्यालय की इस योजना के माध्यम से ग्रामीण बालिकाएं निःशुल्क उच्च शिक्षा प्राप्त कर अपना व अपने परिवार का भविष्य उज्ज्वल कर सकेंगी। श्रीमती रश्मि कोठीवाल ने कहा कि शिक्षित महिला अपने परिवार को शिक्षित बना सकती है। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय अन्य विभिन्न योजनाओं के माध्यम से भी गोद लिए गए गांवों का चहुंमुखी विकास करने हेतु सदैव तत्पर है। उन्होंने यह भी कहा कि यह 'नव्या बालिका छात्रवृत्ति योजना' आने वाले समय में मील का पत्थर साबित होगी।

इस परीक्षा का आयोजन स्कूल ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेज एंड इंजीनियरिंग के निदेशक डॉ. वीरेंद्र सिंह के निर्देशन में किया गया। उन्होंने बताया कि 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' अभियान के तहत ग्रामीण मेधावी बालिकाओं को निःशुल्क उच्च शिक्षा उपलब्ध कराने की दृष्टि से विश्वविद्यालय द्वारा विगत कई वर्षों से 'नव्या बालिका छात्रवृत्ति योजना' की परीक्षा का आयोजन किया जा रहा है। विश्वविद्यालय की इस योजना के माध्यम से प्रतिवर्ष आर्थिक रूप से कमजोर व इस परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर 5 ग्रामीण बालिकाओं को विश्वविद्यालय के विभिन्न पाठ्यक्रमों में निःशुल्क शिक्षा ग्रहण करने का अवसर दिया जाता है। प्रो. सिंह ने जानकारी दी कि आज की इस परीक्षा में विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गांवों गिंदौड़ा, धनुपुरा, पल्लूपुरा घोसी, नगला बनबीर और इटायला माफी की कुल 18 छात्राएं सम्मिलित हुईं। परीक्षा के दौरान विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. संजीव अग्रवाल, प्रतिकुलपति–एकेडमिक्स एंड एडमिनिस्ट्रेशन डॉ. वैभव त्रिवेदी ने सभी प्रतिभागी बालिकाओं का उत्साहवर्धन किया। परीक्षा के सफल संचालन में स्कूल ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेज एंड इंजीनियरिंग के डॉ. रमेश पाल, डॉ. सुलेखा एवं डॉ. शुभम गुप्ता का विशेष सहयोग रहा।

www.livehindustan.com
हिन्दुस्तान
मुरादाबाद, रविवार, 22 जून 2025
05

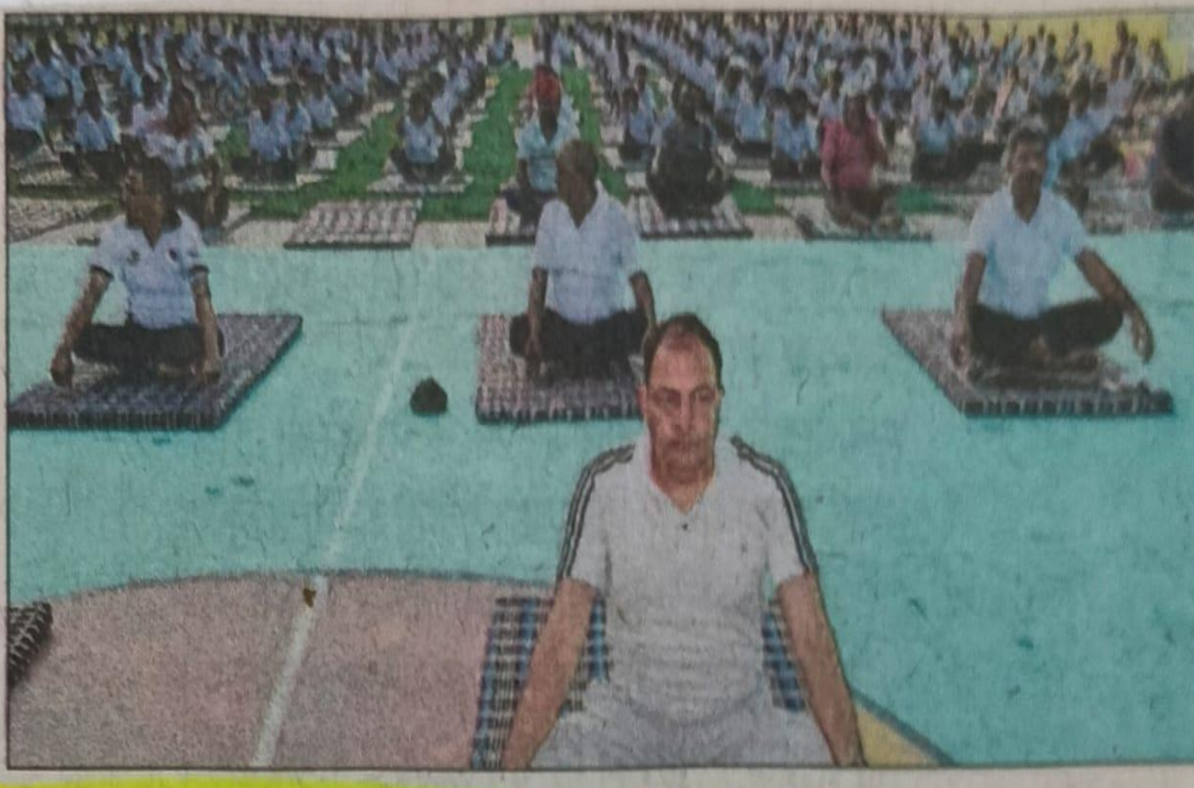

आईएफटीएम विश्वविद्यालय में योग सत्र का आयोजन किया गया।

आईएफटीएम में 'योग दिवस' के अवसर पर हुआ ''योग सत्र'' का आयोजन

-आज समाचार सेवा-

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई, 2/9 यूपी गर्ल्स बटालियन एवं 2/24 यूपी ब्वॉयज बटालियन एनसीसी के संयुक्त तत्वावधान में '11वें अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस 2025 के अवसर पर एक ''योग सत्र'' का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. महेन्द्र प्रसाद पाण्डेय ने कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आज के परिवेश में निरोग रहने का एक मात्र उपाय योग एवं प्राणायाम ही है। इस दौरान 24 एनसीसी बटालियन के कमांडिंग ऑफीसर कर्नल अमित गणेश ने सभी को योग दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि योग को जीवन में नियमित रूप से अपनी दिनचर्या में शामिल करने से ही इसका लाभ मिल सकेगा। अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. अरुण कुमार मिश्रा एवं एनएसएस ईकाई के समन्वयक व स्कूल ऑफ साइंसेज के निदेशक डॉ. बी.के. सिंह ने अतिथियों को बुके और प्रतीक-चिन्ह भेंट कर उनका स्वागत किया। डॉ. मिश्रा ने मेडिकल साइंस में योग की उपयोगिता पर विस्तृत प्रकाश डालते हुए बताया कि आजीवन निरोग रहने के लिए ध्यान और योग का विशेष महत्व है उन्होंने यह भी कहा कि योग भारत की प्राचीन ज्ञान परंपरा का जीवंत उदाहरण है, जिसकी अलख जगाने की मुहिम भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने वैश्विक रूप छेड़ी है। डॉ. मिश्रा ने बताया कि अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की पहल भारतीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा 2014 में संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) में प्रस्तावित की गई थी। 11 दिसंबर 2014 को संयुक्त राष्ट्र ने आधिकारिक तौर पर 21 जून को 'अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस' के रूप में घोषित किया, ताकि विश्व के सभी लोग स्वस्थ रहें। योगा ट्रेनर श्री गौरव चैधरी ने वार्म-अप से योग के अभ्यास की शुरुआत की। उन्होंने सूर्य नमस्कार, ताड़ासन, मंडूकासन, अनुलोम-विलोम, धनुरासन, भुजंगासन, शवासन सहित अनेक आसनों का अभ्यास करवाने के साथ ही सभी आसनों के लाभ भी बताए। उन्होंने यह भी बताया कि योग एवं प्राणायाम के माध्यम से विभिन्न प्रकार के रोगों जैसे हाई ब्लड प्रेशर, हृदयाघात, तनाव, एवं साइटिका आदि रोगों से निजात पाई जा सकती है। योगा ट्रेनर सुश्री शोभना गुप्ता ने भी योग के विभिन्न आसान करके बताने के साथ ही यह भी कहा कि महिलाओं के स्वास्थ्य के लिए योग वरदान की तरह है।

इस मौके पर डॉ. बी.के. सिंह ने कहा कि युवाओं में योग के प्रति जागरूकता बढ़ानी अत्यंत आवश्यक है, ताकि वे अन्य लोगों तक भी ध्यान और योग के लाभों का प्रचार-प्रसार कर सकें। डॉ. सिंह ने बताया कि इस वर्ष की थीम ''एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योग'' थी, जो व्यक्तिगत स्वास्थ्य और पर्यावरण स्थिरता के बीच संबंध पर प्रकाश डालती है। डॉ. सिंह ने कहा कि यह सप्ताह मनाने का उद्देश्य छात्रों, एनएसएस इकाई के स्वयंसेवकों एवं शिक्षकों और कर्मचारियों में योग के महत्व को प्रचारित करना तथा स्वस्थ जीवन शैली को प्रोत्साहित करना था। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि विश्वविद्यालय में 15 जून से चल रहे 'योग सप्ताह-2025' को योग संगम के रूप में मनाया गया तथा इसके दौरान सेमिनार के अलावा अन्य विविध कार्यक्रमों का आयोजन भी किया गया।एनएसएस इकाई के सदस्य डॉ. अशोक कुमार ने कार्यक्रम का संचालन किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में 24 एनसीसी बटालियन के प्रशासनिक अधिकारी कर्नल विवेक वर्मा, सूबेदार मेजर श्री प्रवीण प्रकाश, अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. मिश्रा, 2/9 यूपी गर्ल्स बटालियन की केयर टेकर सुश्री रश्मि पांडेय एवं 2/24 यूपी ब्वॉयज बटालियन के केयर टेकर श्री शनि मिश्र समेत स्कूल ऑफ साइंसेज के शिक्षक श्री विपिन कुमार, श्री दीपक शर्मा आदि का भी विशेष योगदान रहा। योग सत्र के दौरान 550 से अधिक शिक्षकों, कर्मचारियों, एनसीसी के कैडेट्स व एनएसएस इकाई के स्वयंसेवक विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह के साथ प्रतिभाग किया।

आईएफटीईएम में योग दिवस पर हुआ योग सत्र का आयोजन

शाह टाइम्स ब्यूरो

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई, 2/9 यूपी गर्ल्स बटालियन एवं 2/24 यूपी ब्वॉयज बटालियन एनसीसी के संयुक्त तत्वावधान में '11 वें अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस 2025 के अवसर पर एक "योग सत्र" का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. महेन्द्र प्रसाद पाण्डेय ने कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आज के परिवेश में निरोग रहने का एक मात्र उपाय योग एवं प्राणायाम ही है। इस दौरान 24 एनसीसी बटालियन के कमांडिंग ऑफीसर कर्नल अमित गणेश ने सभी को योग दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि योग को जीवन में नियमित रूप से अपनी दिनचर्या में शामिल करने से ही इसका लाभ मिल सकेगा। अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. अरुण कुमार मिश्रा एवं एनएसएस ईकाई के समन्वयक व स्कूल ऑफ साइंसेज के निदेशक डॉ. बी.के. सिंह ने अतिथियों को बुके और प्रतीक-चिन्ह भेंट कर उनका स्वागत किया। डॉ. मिश्रा ने मेडिकल साइंस में योग की उपयोगिता पर विस्तृत प्रकाश डालते हुए बताया कि आजीवन निरोग रहने के लिए ध्यान और योग का विशेष महत्व है उन्होंने यह भी कहा कि योग भारत की प्राचीन ज्ञान परंपरा का जीवंत उदाहरण है, जिसकी अलख जगाने की मुहिम भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने वैश्विक रूप छेड़ी है। डॅा. मिश्रा ने बताया कि अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की पहल भारतीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा 2014 में संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) में प्रस्तावित की गई थी। 11 दिसंबर 2014 को संयुक्त राष्ट्र ने आधिकारिक तौर पर 21 जून को

'अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस' के रूप में घोषित किया, ताकि विश्व के सभी लोग स्वस्थ रहें। योगा ट्रेनर श्री गौरव चौधरी ने वार्म-अप से योग के अभ्यास की शुरुआत की। उन्होंने सूर्य नमस्कार, ताड़ासन, मंडूकासन, अनुलोम विलोम, धनुरासन, भुजंगासन, शवासन सहित अनेक आसनों का अभ्यास करवाने के साथ ही सभी आसनों के लाभ भी बताए।

उन्होंने यह भी बताया कि योग एवं प्राणायाम के माध्यम से विभिन्न प्रकार के रोगों जैसे हाई ब्लड प्रेशर, हृदयाघात, तनाव, एवं साइटिका आदि रोगों से निजात पाई जा सकती है। योगा ट्रेनर सुश्री शोभना गुप्ता ने भी योग के विभिन्न आसन करके बताने के साथ ही यह भी कहा कि महिलाओं के स्वास्थ्य के लिए योग वरदान की तरह है। इस मौके पर डॉ. बी.के. सिंह ने कहा कि युवाओं में योग के प्रति जागरूकता बढ़ानी अत्यंत आवश्यक है, ताकि वे अन्य लोगों तक भी ध्यान और योग के लाभों का प्रचार-प्रसार कर सकें। डॉ. सिंह ने बताया कि इस वर्ष की थीम "एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योग" थी, जो व्यक्तिगत स्वास्थ्य और पर्यावरण स्थिरता के बीच संबंध पर प्रकाश डालती है। डॉ. सिंह ने कहा कि यह सप्ताह मनाने का उद्देश्य छात्रों, एनएसएस इकाई के स्वयंसेवकों एवं शिक्षकों और कर्मचारियों में योग के महत्व को प्रचारित करना तथा स्वस्थ जीवन शैली को प्रोत्साहित करना था। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि विश्वविद्यालय में 15 जून से चल रहे 'योग सप्ताह-2025' को "योग संगम" के रूप में मनाया गया तथा इसके दौरान सेमिनार के अलावा अन्य विविध कार्यक्रमों का आयोजन भी किया गया। एनएसएस इकाई के सदस्य डॉ. अशोक कुमार ने कार्यक्रम का संचालन किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में 24 एनसीसी बटलियन के प्रशासनिक अधिकारी कर्नल विवेक वर्मा, सूबेदार मेजर श्री प्रवीण प्रकाश, अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. मिश्रा, 2/9 यूपी गर्ल्स बटालियन की केयर टेकर सुश्री रश्मि पांडेय एवं 2/24 यूपी ब्वॉयज बटालियन के केयर टेकर श्री शनि मिश्र समेत स्कूल ऑफ साइंसेज के शिक्षक श्री विपिन कुमार, श्री दीपक शर्मा आदि का भी विशेष योगदान रहा। योग सत्र के दौरान 550 से अधिक शिक्षकों, कर्मचारियों, एनसीसी के कैडेट्स व एनएसएस इकाई के स्वयंसेवक विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह के साथ प्रतिभाग किया।

विधान केसरी
जनपद मुरादाब

आईएफटीएम विश्वविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर हुआ भव्य योग सत्र का आयोजन

एनएसएस और एनसीसी इकाइयों के संयुक्त तत्वावधान में 550 से अधिक प्रतिभागियों ने लिया उत्साहपूर्वक भाग

मुरादाबाद (विधान केसरी)। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में 21 जून 2025 को 11वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर एक भव्य योग सत्र का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई, 2/9 यूपी गर्ल्स बटालियन एवं 2/24 यूपी बॉयज बटालियन एनसीसी के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। योग दिवस के इस विशेष अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. महेन्द्र प्रसाद पाण्डेय ने कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आज की तनावपूर्ण जीवनशैली में निरोग रहने का सर्वोत्तम उपाय केवल योग और प्राणायाम ही है। इस अवसर पर 24 एनसीसी बटालियन के कमांडिंग ऑफिसर कर्नल अमित गणेश ने सभी को योग दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि योग को यदि हम प्रतिदिन की दिनचर्या में शामिल करें, तभी हम इसके लाभों को पूर्णतः प्राप्त कर सकते हैं। अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. अरुण कुमार मिश्रा एवं एनएसएस इकाई के समन्वयक एवं स्कूल ऑफ साइंसेज के निदेशक डॉ. बी.के. सिंह ने मुख्य अतिथियों का स्वागत करते हुए उन्हें बुके एवं प्रतीक-चिह्न भेंट किए। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डॉ. मिश्रा ने मेडिकल साइंस में योग की भूमिका पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि आजीवन स्वस्थ रहने के लिए ध्यान एवं योग अत्यंत आवश्यक है। साथ ही उन्होंने यह भी बताया कि योग भारत की प्राचीन ज्ञान परंपरा का जीवंत प्रमाण है और इस परंपरा को वैश्विक मंच पर पहचान दिलाने का श्रेय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी को जाता है। डॉ. मिश्रा ने जानकारी दी कि अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की पहल वर्ष 2014 में प्रधानमंत्री मोदी द्वारा संयुक्त राष्ट्र महासभा में प्रस्तावित की गई थी, जिसे 11 दिसंबर 2014 को पारित करते हुए 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस घोषित किया गया। योग सत्र का संचालन योगा ट्रेनर गौरव चौधरी ने किया। उन्होंने कार्यक्रम की शुरूआत वार्म-अप से की और सूर्य नमस्कार, ताड़ासन, मंडूकासन, अनुलोम-विलोम, धनुरासन, भुजंगासन तथा शवासन जैसे योगासनों का अभ्यास करवाया। उन्होंने प्रत्येक आसन के लाभों पर भी प्रकाश डाला और बताया कि योग व प्राणायाम के नियमित अभ्यास से हाई ब्लड प्रेशर, हृदयाघात, तनाव और साइटिका जैसे गंभीर रोगों से बचाव संभव है। योगा ट्रेनर सुश्री शोभना गुप्ता ने भी योग के विभिन्न आसनों का अभ्यास कराते हुए कहा कि विशेषकर महिलाओं के स्वास्थ्य के लिए योग किसी वरदान से कम नहीं है। इस अवसर पर डॉ. बी.के. सिंह ने कहा कि युवाओं में योग के प्रति जागरूकता बढ़ाना अत्यंत आवश्यक है, ताकि वे समाज में भी इसके लाभों का प्रचार-प्रसार कर सकें। उन्होंने बताया कि इस वर्ष की योग दिवस थीम एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योग थी, जो न केवल व्यक्तिगत स्वास्थ्य बल्कि पर्यावरणीय संतुलन को भी जोड़ती है। डॉ. सिंह ने आगे बताया कि विश्वविद्यालय में 15 जून से योग सप्ताह-2025 के अंतर्गत विविध कार्यक्रम आयोजित किए गए जिन्हें योग संगम नाम दिया गया था। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अशोक कुमार ने किया। इस सफल आयोजन में 24 एनसीसी बटालियन के प्रशासनिक अधिकारी कर्नल विवेक वर्मा, सूबेदार मेजर प्रवीण प्रकाश, 2/9 यूपी गर्ल्स बटालियन की केयर टेकर सुश्री रश्मि पांडेय, 2/24 यूपी बॉयज बटालियन के केयर टेकर शनि मिश्रा, अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. मिश्रा एवं स्कूल ऑफ साइंसेज के शिक्षक विपिन कुमार व दीपक शर्मा सहित कई अन्य सदस्यों का विशेष योगदान रहा। योग सत्र के दौरान 550 से अधिक शिक्षक, कर्मचारी, एनसीसी कैडेट्स एवं एनएसएस इकाई के स्वयंसेवक विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह और समर्पण भाव से भाग लेकर आयोजन को ऐतिहासिक बना दिया।

आईएफटीएम विश्वविद्यालय में 11वें अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर हुआ योग सत्र का आयोजन

युग बन्धु समाचार

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई, 2/9 यूपी गर्ल्स बटालियन एवं 2/24 यूपी ब्वॉयज बटालियन एनसीसी के संयुक्त तत्वावधान में हुए11वें अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस 2025 के अवसर पर एक हाइब्रयोग सत्र का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. महेन्द्र प्रसाद पाण्डेय ने कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आज के परिवेश में निरोग रहने का एक मात्र उपाय योग एवं प्राणायाम ही है। इस दौरान 24 एनसीसी बटालियन के कमांडिंग ऑफिसर कर्नल अमित गणेश ने सभी को योग दिवस की शुभकामनएं देते हुए कहा कि योग को जीवन में नियमित रूप से अपनी दिनचर्या में शामिल करने से ही इसका लाभ मिल सकेगा। अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. अरुण कुमार मिश्रा एवं एनएसएस ईकाई के समन्वयक व स्कूल ऑफ साइंसेज के निदेशक डॉ. बी.के. सिंह ने अतिथियों को बुके और प्रतीक-चिन्ह भेंट कर उनका स्वागत किया। डॉ. मिश्रा ने मेडिकल साइंस में योग की उपयोगिता पर विस्तृत प्रकाश डालते हुए बताया कि आजीवन निरोग रहने के लिए ध्यान और योग का विशेष महत्व है उन्होंने यह भी कहा कि योग भारत की प्राचीन ज्ञान परंपरा का जीवंत उदाहरण है, जिसकी अलख जगाने की मुहिम भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने वैश्विक रूप छेड़ी है। डॉ. मिश्रा ने बताया कि

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की पहल भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 2014 में संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) में प्रस्तावित की गई थी। 11 दिसंबर 2014 को संयुक्त राष्ट्र ने आधिकारिक तौर पर 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के रूप में घोषित किया, ताकि विश्व के सभी लोग स्वस्थ रहें। योगा ट्रेनर श्री गौरव चैधरी ने वार्म-अप से योग के अभ्यास की शुरूआत की। उन्होंने सूर्य नमस्कार, ताड़ासन, मंडूकासन, अनुलोम विलोम, धनुरासन, भुजंगासन, शवासन सहित अनेक आसनों का अभ्यास करवाने के साथ ही सभी आसनों के लाभ भी बताए। उन्होंने यह भी बताया कि योग एवं प्रणायाम के माध्यम से विभिन्न प्रकार के रोगों जैसे हाई ब्लड प्रेशर, हृदयाघात, तनाव, एवं साइटिका आदि रोगों से निजात पाई जा सकती है। योगा ट्रेनर सुश्री शोभना गुप्ता ने भी योग के विभिन्न आसान करके बताने के साथ ही यह भी कहा कि महिलाओं के स्वास्थ्य के लिए योग वरदान की तरह है।

इस मौके पर डॉ. बी.के. सिंह ने कहा कि युवाओं में योग के प्रति जागरूकता बढ़ानी अत्यंत आवश्यक है, ताकि वे अन्य लोगों तक भी ध्यान और योग के लाभों का प्रचार-प्रसार कर सकें। डॉ. सिंह ने बताया कि इस वर्ष की थीम एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योग थी, जो व्यक्तिगत स्वास्थ्य और पर्यावरण स्थिरता के बीच संबंध पर प्रकाश डलती है। डॉ. सिंह ने कहा कि यह सप्ताह मनाने का उद्देश्य छात्रों, एनएसएस इकाई के स्वयंसेवकों एवं शिक्षकों और कर्मचारियों में योग के महत्व को प्रचारित करना तथा स्वस्थ जीवन शैली को प्रोत्साहित करना था। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि विश्वविद्यालय में 15 जून से चल रहे योग सप्ताह-2025 को योग संगम के रूप में मनाया गया तथा इसके दौरान सेमिनार के अलावा अन्य विविध कार्यक्रमों का आयोजन भी किया गया।एनएसएस इकाई के सदस्य डॉ. अशोक कुमार ने कार्यक्रम का संचालन किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में 24 एनसीसी बटालियन के प्रशासनिक अधिकारी कर्नल विवेक वर्मा, सूबेदार मेजर प्रवीण प्रकाश, अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. मिश्रा, 2/9 यूपी गर्ल्स बटालियन की केयर टेकर रश्मि पांडेय एवं 2/24 यूपी ब्वॉयज बटालियन के केयर टेकर शनि मिश्र समेत स्कूल ऑफ साइंसेज के शिक्षक विपिन कुमार, दीपक शर्मा आदि का भी विशेष योगदान रहा। योग सत्र के दौरान 550 से अधिक शिक्षकों, कर्मचारियों, एनसीसी के कैडेट्स व एनएसएस इकाई के स्वयंसेवक विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह के साथ प्रतिभाग किया।

अमर उजाला
amarujala.com
मुरादाबाद | शुक्रवार, 27 जून 2025
7

महिला कैडेटों को सिखाया जाएगा अनुशासन व नेतृत्व

मुरादाबाद। अनुशासन, सेवा और नेतृत्व का पाठ पढ़ाने के उद्देश्य से एनसीसी की नौवीं यूपी गर्ल्स बटालियन का आईएफटीएम यूनिवर्सिटी में प्रशिक्षण शिविर शुरू हो गया। दस दिवसीय शिविर का बृहस्पतिवार को कर्नल पीएन सिंह ने शुभारंभ किया। आयोजन में मुरादाबाद, बिजनौर, अमरोहा, बरेली, शाहजहांपुर समेत विभिन्न जिलों के कॉलेजों से 515 गर्ल्स कैडेट्स भाग ले रही हैं।

कर्नल सिंह ने कहा कि एनसीसी न केवल सैन्य अनुशासन सिखाता है, बल्कि युवाओं को देश सेवा के लिए प्रेरित भी करता है। उन्होंने कहा कि यह शिविर कैडेट्स को बी और सी सर्टिफिकेट परीक्षा के लिए तैयार करेगा। इससे उनमें नेतृत्व क्षमता, सेवा भाव, धर्मनिरपेक्षता व टीम भावना का विकास करेगा।

शिविर में कैडेट्स को ड्रिल, टेंट लगाना, आर्म्स ड्रिल, प्राथमिक उपचार का प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसके अलावा वाद विवाद, फील्ड क्राफ्ट, वॉलीबाल और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन होगा। शिविर में मेजर सोनिया बिंद्र, कैप्टन ममता रानी, लेफ्टिनेंट नंदिनी, जीसीआई करुणा त्यागी, केयरटेकर रश्मि पांडे, सूबेदार मेजर चरनजीत सिंह, महेंद्र आदि मौजूद रहे। संवाद

अमर उजाला
amarujala.com
मुरादाबाद | सोमवार, 30 जून 2025
6

छात्र-छात्राओं को स्टार्टअप के बारे में दी जानकारी

मुरादाबाद। आईएफटीएम में चल रहे 10 दिवसीय संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर के चौथे दिन 589 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। कार्यक्रम का आयोजन 9वीं यूपी गर्ल्स बटालियन एनसीसी मुरादाबाद द्वारा किया जा रहा है। इस दौरान छात्र-छात्राओं को जय चंद्र गौड़ा एवं अभिषेक कुमार ने स्टार्टअप के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि वर्कशाप के माध्यम से न केवल कैडेट नए विचारों से परिचित होते हैं, बल्कि जागरूक होने में मदद मिलती है। इस मौके पर मेजर चरनजीत सिंह, मेजर महेंद्र सिंह, राजेंद्र सिंह, हवलदार हरे राम, नायक जय प्रकाश पाठक आदि मौजूद रहे। ब्यूरो